(घ) यदि हां, तो इससे कितनी विदेशी मुद्रा अर्जित की गई है; और

(ङ) उपर्युक्त अवधि के दौरान इस क्षेत्र में उत्पादित कपड़े अथवा उससे बनाए गए सिलेसिलाए वस्त्रों का निर्यात-मूल्य क्या था तथा इस अवधि के दौरान विदेशों को निर्यात किए गए कपड़े के कुल मूल्य में उसकी प्रतिशतता क्या थी?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) (क) जी हां।

(ख) वर्ष 1990-91 के दौरान विद्युतकरघा क्षेत्र द्वारा निर्मित कपड़े की कुल मात्रा 12746 मिलियन वर्ग मीटर थी जिसका मूल्य 12105 करोड़ रु० था।

(ग) जी हां।

(घ) तथा (ङ) वर्ष 1990-91 के दौरान सूती विद्युतकरघा फैब्रिक्स के निर्यात से 323.38 करोड़ रु० की विदेशी मुद्रा अर्जित की गई तथा विद्युतकरघा मेड-अप्स तथा अन्य सूती विनिर्माताओं के निर्यात से 205.54 करोड़ रु० की राशि की विदेशी मुद्रा अर्जित की गई। सभी क्षेत्रों से कपड़ों से निर्मित परिधानों के निर्यात से 4640.20 करोड़ रु० की राशि की विदेशी मुद्रा अर्जित की गई। विद्युतकरघा फैब्रिक से निर्मित परिधानों के लिए मूल्य के पृथक आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।

विद्युतकरघा क्षेत्र में उत्पादन को बढ़ाने के लिए कदम

2819. **सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या **वस्त्र** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश के विद्युतकरघा क्षेत्र में भारी मात्रा में कपड़े का उत्पादन किया जाता है;

(ख) यदि हां, तो दिसंबर, 1991 में देश में विद्युतकरघा इकाइयों की संख्या कितनी थी और उनमें कार्यरत लोगों की अनुमानित संख्या क्या थी;

(ग) क्या सरकार ने इस क्षेत्र में उत्पादन को बढ़ाने और उसके कार्यकरण में और अधिक सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए कोई योजना तैयार की है; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है?

वस्त्र मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री अशोक गहलोत) (क) जी हां।

(ख) दिसम्बर, 1991 तक विभिन्न राज्य सरकारों के पास 12,47,554 विद्युतकरघे पंजीकृत हैं जो हमारे देश में लगभग 6 मिलियन व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करते है।

(ग) और (घ): सरकार ने विद्युत करघा क्षेत्र के सामने पेश आ रही कठिनाइयों की जांच करने के लिए एक कार्य दल नियुक्त किया है और इस कार्यदल ने अगस्त, 1988 में अपनी रिपोर्ट में यह सुझाव दिया है कि विकेन्द्रीकृत क्षेत्र को अपनी कार्यशील पूंजी की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आरंभ में 500 करोड़ रु० की आवश्यकता होगी और तत्पश्चात बाद के वर्षों के लिए इस राशि में 25% की वृद्धि की जानी चाहिए। कार्य दल की रिपोर्ट में यह भी सुझाव दिया गया है कि विद्युत करघा उद्योग विकेन्द्रीकृत क्षेत्र में बुनाई पूर्व और बुनाई प्रचालन के लिए आधुनिकीकरण की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आरंभ में 200 करोड़ रु० की आवश्यकता होगी जिसके बाद में वर्षों में 15% की वृद्धि करनी पड़ेगी।

Profit/Loss Incurred by NTC

2820. SHRI RAMDAS AGARWAL:
SHRI CHATURANAN MISHRA:

Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) what are names of the Textile Mills under N.T.C. in different States on December, 1991;

(b) what was the net profit earned and losses incurred by the National Textile Corporation Limited and also by the N.T.C. located at Delhi, Punjab and Rajasthan units during the last two years and upto 31st Jan., 1992;

(c) what was the production of cloth and market yearn produced by NTC and above mentioned units during the said period; and

(d) whether it is a fact that the accumulated losses upto 31st March, 91 was Rs. 2037.53 crores, if so, the reasons therefor and steps taken by Government to reduce such losses?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF TEXTILES (SHRI ASHOK GEHLOT): (a) A statement (*see* below) showing the names of Textile Mills under N.T.C., State-wise/Union-Territory-wise is attached.

(b) The net profit/loss incurred by NTC Ltd. and NTC (Delhi, Punjab and Rajasthan) Ltd. New Delhi, during the last two years is as under:—